जल संदेश

गृह पत्रिका
वर्ष : 1, अंक : 3
माह : अप्रैल 2022

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लि. (उपक्रम मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग)

पेटलावद इंटैक वैल

जल शोधन संयंत्र, मऊगंज

संपादकीय

गर्मी का मौसम अपनी दस्तक दे चुका है, पानी की अहमियत को समझने का यही सही समय है। जल शोधन संयंत्र से शोधित स्वच्छ जल की महत्ता समझना तो जरूरी है ही, लेकिन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से शोधित जल की भी अपनी उपयोगिता है। नगरों को वॉटर प्लस बनाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर ने देश में वॉटर प्लस सिटी बनने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। छोटे नगर भी इस ओर प्रयासरत हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुसार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से शोधित जल का 20 से 25 प्रतिशत उपयोग किया जा सकता है। बागवानी, सड़क की सफाई, भवन निर्माण के लिए तराई, फायर बिग्रेड, फब्बारे, कार धोने जैसे कार्यों में इस पानी का उपयोग किया जाता है। इस तरह शोधित पानी का सदुपयोग करके स्वच्छ जल के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। सीवरेज घरों और प्रतिष्ठानों से निकलकर जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, लेकिन यदि यथोचित सीवरेज नेटवर्क और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट हो तो जल प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मलजल के शोधन से प्राप्त पानी की अब समाज में स्वीकार्यता भी बढ़ रही है। जल संरक्षण के साथ यह भी आवश्यक है कि जल का उचित प्रबंधन किया जाये। क्योंकि पानी के बिना कुछ भी नहीं, रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून.....

आपके रचनात्मक सुझाव एवं प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी।

चंद्रमोहन मिश्र

उप परियोजना संचालक (प्रशासन)

शहडोल सीवरेज परियोजना का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शहडोल स्थित पॉलिटेक्निक ग्राउंड में 25 फरवरी को अनेक विकास कार्यों के साथ शहडोल नगर की सीवरेज परियोजना के निर्माण कार्य का भूमि पूजन भी किया गया। विश्व बैंक के सहयोग से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा निर्मित की जा रही शहडोल सीवरेज परियोजना की दस वर्षों के संचालन और संधारण के साथ अनुमानित कुल लागत रुपये 172.61 करोड़ है। उत्कृष्ट डिजाइन के आधार पर निर्मित की जा रही इस परियोजना के घटकों में 228 किलोमीटर सीवर नेटवर्क बिछाया जायेगा। 6 इण्टरमीडियेट पंपिंग स्टेशन एवं 1 मुख्य पंपिंग स्टेशन का निर्माण भी किया जायेगा।

विशेष बात यह है कि 17 एमएलडी क्षमता का मलजल शोधन संयंत्र भी स्थापित किया जा रहा है। शहडोल सीवरेज परियोजना के अन्तर्गत 21,134 घरों को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ा जायेगा। अनुबंध के अनुसार योजना का निर्माण कार्य माह नवम्बर 2023 के अंत तक पूर्ण किया जाना है परन्तु इस कार्य को समय से पूर्व दिसम्बर 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि शहडोल में इस परियोजना के पूरा होने पर नगर में मलजल का उचित निस्तारण हो सकेगा, जिससे जल स्रोत प्रदूषण मुक्त रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने किया बुधनी सीवरेज परियोजना का लोकार्पण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा निर्मित बुधनी सीवरेज परियोजना का लोकार्पण किया। प्रभारी मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी, क्षेत्रीय सांसद श्री रामाकांत भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री निकुंज श्रीवास्तव, प्रमुख अभियंता श्री दीपक रत्नावत भी लोकार्पण अवसर पर उपस्थित रहे।

इस अवसर मुख्यमंत्री ने कहा कि बुधनी के प्रत्येक घर को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ते हुए बुधनी को वॉटर प्लस सिटी में स्थापित किया जायेगा। दस वर्षों के संचालन और संधारण सहित लगभग 44.56 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस परियोजना से 20 हजार से अधिक की आबादी लाभान्वित होगी। बुधनी सीवरेज परियोजना के लिए 30 किलोमीटर की सीवरेज लाइन बिछाई गई है, वहीं आधुनिक तकनीक पर आधारित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया है। 3000 से अधिक घरों को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है।

कार्यक्रम में उप परियोजना संचालक तकनीकी श्री पी.सी. जैन, परियोजना प्रबंधक श्री आनंद सिंह, उप परियोजना प्रबंधक श्री राघवेन्द्र सिंह, सहायक परियोजना अधिकारी श्री संजय पाण्डेय, सहायक परियोजना प्रबंधक श्री राहिल गुप्ता, उपयंत्री सपना भारद्वाज व हिमांशु मिश्रा एवं परियोजना प्रबंधक सलाहकार फर्म के टीम लीडर श्री संजय गांगुली सहित संबंधी अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन तकनीकी अधिकारी श्री कमलेश भटनागर ने किया।

प्रमुख सचिव ने किया बरही जल प्रदाय परियोजना का अवलोकन

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह ने बरही जल प्रदाय व्यवस्था का जायजा लिया। श्री सिंह ने आम नागरिकों से 24 घंटे 7 दिन जल प्रदाय स्थिति की जानकारी ली एवं प्रेरकों से भी बात की। प्रमुख सचिव ने बरही में 24 घंटे 7 दिन जल प्रदाय व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि कटनी जिले के बरही में एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से कम्पनी द्वारा जल प्रदाय परियोजना का निर्माण किया गया है।

प्रमुख सचिव के साथ कम्पनी की जबलपुर इकाई के परियोजना प्रबंधक श्री अनिल कुमार नंदा, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के संयुक्त संचालक परमेश जलोटे, सहायक परियोजना प्रबंधक उन्मेष जैन, श्री अभय जैन, सामुदायिक विकास अधिकारी सुश्री अपराजिता मिश्रा एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रबंध संचालक ने ली समीक्षा बैठक

प्रबंध संचालक श्री निकुंज श्रीवास्तव ने इस वर्ष मार्च और जून माह में पूरी होने वाली परियोजनाओं की समीक्षा की। इन परियोजनाओं में जल प्रदाय, सीवरेज और मिनी स्मार्ट सिटी के कार्य शामिल हैं। प्रबंध संचालक ने समीक्षा करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए की हर घर में मीटरयुक्त नल कनेक्शन हो। समस्त जल प्रदाय परियोजना 24 घंटे 7 दिन जल प्रदाय करने में तकनीकी रूप से सक्षम हो। कोई भी जल प्रदाय परियोजना तभी पूर्ण मानी जाएगी जब नगर में 24 घंटे 7 दिन जल प्रदाय प्रारंभ हो जायेगा।

बैठक में अतिरिक्त प्रबंध संचालक श्रीमती रुचिका चौहान, प्रमुख अभियंता श्री दीपक रत्नावत, मुख्य अभियंता श्री विजय गुप्ता, उप परियोजना संचालक तकनीकी श्री पी.सी. जैन, उप परियोजना संचालक प्रशासन श्री चन्द्र मोहन मिश्र सहित समस्त परियोजना प्रबंधक, परियोजना प्रबंधन सलाहकार फर्म के टीम लीडर, व संविदाकार मौजूद रहे।

जागरूकता गतिविधियां जारी –

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा परियोजनाओं से आम आदमी को जोड़ने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। चंबल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, भोपाल, होशंगाबाद, जबलपुर, रीवा, शहडोल, खरगौन, छतरपुर, छिंदवाड़ा इकाईयों में जागरूकता अभियान जारी है। सीवरेज परियोजनाओं में घरों को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ने के लिए एवं जल प्रदाय परियोजनाओं में नल कनेक्शन लेने के लिए सरल शब्दों में लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक, चौपाल पर चर्चा, विद्यालयों में सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है तो दूसरी ओर छात्रों और महिलाओं को जल शोधन संयंत्र एवं मलजल शोधन संयंत्र का भ्रमण करवाया जा रहा है। बच्चे और महिलाएं स्वच्छ जल और सीवरेज कनेक्शन की महत्ता समझकर अपने परिजनों को भी कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। धरमपुरी में तो स्कूली बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर नगर को वॉटर प्लस शहर बनाने का संकल्प लिया। समाज के सभी वर्गों के बीच कंपनी के प्रतिनिधि और प्रेरक नागरिकों के परियोजना से जुड़े भ्रम दूर करते हैं, और उनकी परियोजना में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाते हैं। सीवरेज परियोजना के प्रचार प्रसार के लिए अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान की मदद ली जा रही है, तो जल प्रदाय परियोजनाओं के लिए चिन्हांकित प्रेरक एवं मध्यप्रदेश माध्यम सहयोग कर रहे हैं।

क्या आप जानते है वॉटर प्लस की उपयोगिता

घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाला सीवरेज नदी और अन्य जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, लेकिन नगर में व्यवस्थित सीवरेज नेटवर्क के माध्यम से सीवरेज का उचित शोधन किया जाता है। उच्च तकनीक पर आधारित स्थापित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के द्वारा शोधित किए गए जल को बागवानी, फायर ब्रिगेड, फब्बारों, सड़क धोने जैसे कार्यों में उपयोग किया जाता है। सीवरेज को शोधित कर उपयोग किया जाना ही वॉटर प्लस कहलाता है। इससे अच्छे पानी का दुरुपयोग नहीं होता और मलजल शोधित जल भली प्रकार सद्उपयोग में आ जाता है।

जून 2022 तक पूरी होने वाली परियोजनाएं

जून 2022 तक एडीबी सहायतित कोठरी, बेटमा, गौतमपुर, धामनोद, अलामपुर, दबोह, गोरमी, राधौगढ़, पनागर, सिहोरा, मकरोनिया, बक्सवाहा, चांदिया, कुरावर, करही, राजपुर, भिण्ड, पिछोर, पवई और चॉद जल प्रदाय परियोजना पूरी करने का लक्ष्य है। विश्व बैंक सहायतित बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना एवं महेश्वर, नसरुल्लागंज, छिन्दवाड़ा सीवरेज परियोजना तथा विशेष निधि के माध्यम से क्रियान्वित अमरकंटकर, मण्डलेश्वर और ओंकारेश्वर सीवरेज परियोजना जून तक पूरा करने का लक्ष्य है।

महिला दिवस

नारी शक्ति के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा नारी शक्ति के सम्मान में महिला दिवस के अवसर विभिन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। चंबल इकाई अन्तर्गत फूंप कला में महिला प्रेरकों का मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने सम्मान किया। उज्जैन इकाई अन्तर्गत शाजापुर में महिलाओं के सामाजिक विकास में सीवरेज कनेक्शन की महत्ता विषय पर चर्चा की गई। इसके उपरांत सीवरेज कनेक्शन की महत्ता बताते हुए नुक्कड़ नाटक भी मंचित किया गया। ग्वालियर इकाई द्वारा बदरवास में महिलाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर लगाया गया, जिसमें 30 से अधिक महिलाओं ने सहभागिता की। जबलपुर इकाई द्वारा भेड़ाघाट में महिला श्रमिकों का सम्मान किया गया। परियोजना प्रबंधन इकाई में भी महिलाओं ने महिलाओं की वर्तमान दशा और दिशा पर चर्चा कर महिला दिवस मनाया।

24x7 जल प्रदाय के प्रबंधन और संचालन पर कार्यशाला

24 x 7 जल प्रदाय परियोजना के प्रबंधन और संचालन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को मुख्य अभियंता श्री विजय कुमार गुप्ता ने संबोधित किया। तकनीकी विशेषज्ञ श्री एम.ए. खान एवं डॉ. मनीषा तैलंग ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का समन्वय श्री राकेश शाण्डिल्य ने किया।

मध्यप्रदेश के 12 निकायों में जल प्रदाय का भागीरथी प्रयास पूर्णता की ओर
जल प्रदाय व्यवस्था का सफल परीक्षण जारी

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा प्रदेश के 130 निकायों में जल प्रदाय परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इनमें से बैतूल बाजार, पेटलावद, मऊगंज, सोहागपुर, बनखेड़ी, फूंपकलां, ईसागढ़, सुसनेर, भेड़ाघाट, हटा, शाडोरा एवं माकडोन में जल प्रदाय परियोजना का काम लगभग पूरा हो चुका है। इन निकायों में जल प्रदाय व्यवस्था का सफल परीक्षण भी जारी है। इस तरह कुल 12 निकायों में लगभग 32 हजार से अधिक घरों में नल कनेक्शन पहुंच गया है जिसका लाभ लगभग एक लाख तीस हजार से अधिक की आबादी को मिल रहा है।

जल प्रदाय परियोजनाओं के विभिन्न घटकों में उत्कृष्टता का ध्यान रखा गया है। उच्च गुणवत्ता के आधार पर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, ओवर हैड टैंक, एनीकट, पम्प हाउस, सम्पवैल, बोरवैल आदि स्थापित किए गए हैं। पहले इन निकायों में जल प्रदाय की कोई स्थाई व्यवस्था नहीं थी। रहवासियों के लिए जल प्रदाय परियोजना खुशियों की सौगात लेकर आई है, जल प्रदाय के परीक्षण के दौरान ही इन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी मिल रहा है । फूंपकलां की दीप्ति चौरसिया बताती हैं कि अब घर में अच्छे दबाव के साथ पानी आ रहा है, जिससे हमारा पानी भरने का काम खत्म हो गया है। अब पानी भरने की चिंता नहीं करनी पड़ती है।

मऊगंज निवासी श्रीप्रकाश गुप्ता बताते हैं कि पहले वे पानी के लिए बोर का इस्तेमाल करते थे, जिससे बिजली का बिल बहुत अधिक आता था और पानी भी पर्याप्त नहीं मिलता था। गर्मी के दिनों में तो कई बार बोर सूखने के कारण बहुत परेशानी होती थी, पर अब घर बैठे नल से जल उपलब्ध है। पेटलावद निवासी संगीता परमार की पुत्री रीना परमार नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। रीना का कहना है कि पहले कॉलोनी की टंकी से पानी भरते थे, जिसके कारण पढ़ाई का समय नहीं मिल पाता था, पर अब घर बैठे पानी मिल रहा है जिससे समय की बचत भी हो रही है।

बनखेड़ी वार्ड 2 निवासी मालती मेहरा बताती हैं कि पहले जो पानी मिलता था, जिसके कारण बच्चों के दांत खराब हो रहे थे लेकिन अब साफ पानी आ रहा है इससे कोई भी बीमारी नहीं हो रही है।

सोहागपुर निवासी सुजल बताते हैं कि पहले उन्हें पड़ोसी की कृपा दृष्टि से पानी के लिए निर्भर रहना पड़ता था। सुजल पड़ोसी के घर से उपयोग का पानी लेते थे जो कि सीमित मात्रा में मिल पाता था, पर अब नियमित तौर पर पर्याप्त पानी मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि कंपनी के प्रबंध संचालक श्री निकुंज श्रीवास्तव के अथक प्रयास और मार्गदर्शन में यह संभव हो पाया है । श्री श्रीवास्तव ने भी लोगों से मीटरयुक्त नल कनेक्शन लेने की अपील की है। जल मीटर होने से रहवासियों को पानी की समुचित दर ही देनी होगी। पानी का बिल उतना ही आयेगा जितना पानी उपयोग किया गया है। मीटरयुक्त कनेक्शन होने से पानी का अपव्यय भी नहीं होगा और नगर परिषद् भी 24 घंटे 7 दिन जल उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे। मीटरयुक्त नल कनेक्शन लेने और स्वच्छ जल की महत्ता समुदाय को बताने के लिए कंपनी द्वारा भी प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के जन्म दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा निर्माणाधीन साइट्स पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर कम्पनी के मुख्य अभियंता श्री विजय कुमार गुप्ता ने शाहपुर के निर्माणाधीन वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में वृक्षारोपण किया।

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा महेश्वर, शहडोल, सेवड़ा और नसरुल्लागंज में संविदाकारों के सहयोग से चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में स्थानीय चिकित्सकों ने अपनी निःशुल्क सेवाएं दी। शिविरों में श्रमिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई। इस अवसर श्रमिकों को कोविड रोधी टीके भी लगाए गए।

सम्पर्क पता -

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड

अमरकंटक भवन, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल, दूरभाष - 0755-2763060

वेबसाइट - www.mpudc.co.in, ई-मेल - mpusipbpl@gmail.com

MPUDC Bhopal MPUDC Bhopal @MpudcB